vinetur

200 मिलियन लीटर कॉन्यैक वाइन का अधिशेष यूरोप के बल्क बाजार को खतरे में डाल रहा है

फ्रांसीसी व्यापारी चेतावनी दे रहे हैं कि यदि डिस्टिलर खरीद फिर घटाते हैं, तो अतिरिक्त Ugni Blanc कम कीमत वाले सफेद वाइन चैनलों में भर सकता है।

मंगलवार, 21 जुलाई 2026



फ्रांस के कॉन्यैक क्षेत्र से Ugni Blanc का 200 मिलियन लीटर तक संभावित अधिशेष देश के बल्क वाइन व्यापार में चिंता बढ़ा रहा है और यदि इस साल बड़ी मात्रा में यह वाइन बाजार में छोड़ी गई, तो व्यापक यूरोपीय बाजार के कुछ हिस्सों को अस्थिर कर सकता है।

यह चेतावनी ऐसे समय आई है जब कॉन्यैक उत्पादकों को उच्च अंगूर-उत्पादन और उन स्पिरिट्स हाउसों की कमजोर मांग के कठिन संयोजन का सामना करना पड़ रहा है, जो सामान्यतः डिस्टिलेशन के लिए वाइन खरीदते हैं। यदि यह

वाइन कॉन्यैक क्षेत्र में समाहित नहीं हो पाती, तो इसे बल्क बाजार में सफेद Vin de France के रूप में बेचा जा सकता है, जिससे आपूर्ति की बड़ी मात्रा ऐसे समय में जुड़ जाएगी जब कई ऑपरेटरों का कहना है कि मार्जिन पहले से ही दबाव में हैं।

फ्रांसीसी वाइन प्रकाशन Vitisphere ने इस सप्ताह रिपोर्ट किया कि कॉन्यैक क्षेत्र में 2026 की फसल से कम से कम 2 मिलियन हेक्टोलिटर, यानी 200 मिलियन लीटर, उत्पादन हो सकता है, बावजूद इसके कि सूखा और गर्मी रही। सामान्य परिस्थितियों में, इस वाइन का बड़ा हिस्सा कॉन्यैक में डिस्टिलेशन के लिए निर्धारित होता। लेकिन प्रमुख हाउसों द्वारा उत्पादन में कटौती ने क्षेत्र की उपलब्ध सभी मात्रा को लेने की क्षमता घटा दी है।

यह बदलाव पश्चिमी फ्रांस से कहीं आगे तक मायने रखता है। बल्क वाइन बाजार आपूर्ति और मांग के संतुलन पर बहुत हद तक निर्भर करता है, खासकर उन एंट्री-लेवल सफेद वाइनों के लिए जो बड़ी मात्रा में बॉटलरों, खुदरा विक्रेताओं और निर्यातकों को बेची जाती हैं। कॉन्यैक क्षेत्र की वाइन का अचानक आगमन कीमतों को नीचे धकेल सकता है और फ्रांस के अन्य क्षेत्रों के साथ-साथ स्पेन और यूरोप के अन्य हिस्सों में प्रतिस्पर्धी उत्पादकों को तेजी से प्रतिक्रिया देने के लिए मजबूर कर सकता है।

Vitisphere ने इस अस्थिरता के जोखिम को फ्रांसीसी वाइन उद्योग के लिए संभावित रूप से विनाशकारी बताया। प्रकाशन ने कहा कि श्रृंखलाबद्ध प्रतिक्रिया की आशंकाएं 2024 की शुरुआत से बढ़ रही हैं, जब पहली बार यह चिंता उभरी थी कि कॉन्यैक की धीमी बिक्री क्षेत्र में बहुत अधिक बेस वाइन छोड़ देगी।

बल्क व्यापार में सक्रिय कई लोगों ने प्रकाशन को बताया कि इसके परिणाम तेजी से फैल सकते हैं। एक बाजार अंदरूनी सूत्र ने कहा कि यदि बड़ी फ्रांसीसी मात्रा बाजार में आती है, तो स्पेनिश विक्रेता संभवत: तीखी प्रतिक्रिया देंगे, और जोड़ा कि पहले से ही तंग वित्तपोषण और कमजोर लाभप्रदता से जूझ रहे क्षेत्र में घबराहट फैल सकती है। एक अन्य ने कहा कि डोमिनो प्रभाव गंभीर हो सकता है क्योंकि कई व्यवसायों के पास अब बहुत कम नकदी बची है और बैंक अधिक सतर्क होते जा रहे हैं।

यह मुद्दा कॉन्यैक में व्यापक संकट को दर्शाता है। वहां के उत्पादक घटती शिपमेंट और व्यापार तनावों से जूझ रहे हैं, जिन्होंने निर्यात को नुकसान पहुंचाया है, खासकर तब से जब चीनी टैरिफ ने पहले से ही धीमी वैश्विक मांग का सामना कर रहे उद्योग पर दबाव बढ़ा दिया। ये टैरिफ चीन और यूरोपीय संघ के बीच इलेक्ट्रिक वाहनों को लेकर व्यापक विवाद का हिस्सा बन गए, लेकिन उनका असर दक्षिण-पश्चिमी फ्रांस के अंगूर उत्पादकों और डिस्टिलरों पर सीधे महसूस किया गया है।

उत्पादकों के लिए समस्या तत्काल है। कॉन्यैक में Ugni Blanc का वर्चस्व है क्योंकि यह डिस्टिलेशन के लिए उपयुक्त है। यदि हाउस खरीद कम कर देते हैं, तो उत्पादकों के पास ऐसी वाइन बच सकती है जिसके लिए उसके निर्धारित उपयोग के बाहर सीमित विकल्प हों। इसे बल्क बाजार में बेचना एक रास्ता हो सकता है, लेकिन बड़े पैमाने पर ऐसा करने से बाकी सभी के लिए कीमतें नीचे जा सकती हैं।

कॉन्यैक के उद्योग समूह इस नतीजे से बचने के लिए महीनों से कोशिश कर रहे हैं। Vitisphere के अनुसार, उत्पादकों ने अतिरिक्त आपूर्ति को नियंत्रित करने के लिए पहले ही कई उपकरणों का सहारा लिया है, जिनमें संकट डिस्टिलेशन, कम उपज और रिजर्व वाइन नीतियां शामिल हैं। इन उपायों का उद्देश्य अतिरिक्त स्टॉक को सामान्य वाणिज्यिक चैनलों में बहने से रोकना था। लेकिन भंडार बढ़ता ही गया है, और क्षेत्र के कुछ लोग अब कह रहे हैं कि ये विकल्प अब पर्याप्त नहीं हैं।

एक उद्योग स्रोत ने प्रकाशन को बताया कि कॉन्यैक ने अपनी अतिरिक्त आपूर्ति से व्यापक वाइन बाजार को यथासंभव लंबे समय तक बचाने की कोशिश की थी। एक अन्य ने कहा कि क्षेत्र ने दूसरों को बाधित करने से बचने के लिए हर संभव प्रयास किया, लेकिन अब वह इस दृष्टिकोण की सीमा तक पहुंच रहा है।

अब बहस सार्वजनिक सहायता और आपातकालीन उपायों की ओर मुड़ रही है। Vitisphere ने रिपोर्ट किया कि कॉन्यैक प्रतिनिधि अभी भी एक अस्थायी बेल-उखाड़ कार्यक्रम पर विचार कर रहे हैं, जिसका उद्देश्य लंबी अवधि में उत्पादन कम करना है। क्षेत्र सफेद वाइनों तक संकट डिस्टिलेशन सहायता बढ़ाने में भी रुचि रखता है। इससे €40 मिलियन के यूरोपीय आयोग फंड में बची €14 मिलियन तक पहुंच संभव हो सकती है, जिसे शुरू में अतिरिक्त लाल और रोज़े वाइनों को डिस्टिलरी तक भेजने के लिए बनाया गया था।

ऐसे उपाय हर समस्या का समाधान नहीं करेंगे, लेकिन यदि अधिकारी उन्हें कॉन्यैक की जरूरतों के अनुसार ढालने पर सहमत होते हैं, तो वे तत्काल दबाव कम कर सकते हैं। बेल-उखाड़ योजना का उद्देश्य कुछ दाखबारी क्षेत्र को अस्थायी रूप से हटाना होगा, जिससे भविष्य का उत्पादन घटे। संकट डिस्टिलेशन अतिरिक्त वाइन को वाणिज्यिक बिक्री से हटाकर बाजार से बाहर ले जाएगा। दोनों विकल्प राजनीतिक मंजूरी और वित्तपोषण पर निर्भर हैं, ऐसे समय में जब यूरोप भर के कई वाइन क्षेत्र मदद मांग रहे हैं।

इस चेतावनी को जिस तरह प्रस्तुत किया जा रहा है, उसमें एक राजनीतिक आयाम भी है। फ्रांस में कुछ पर्यवेक्षकों का मानना है कि संभावित बल्क वाइन बाढ़ पर सार्वजनिक चर्चा का एक उद्देश्य पेरिस और ब्रुसेल्स पर तेजी से कार्रवाई करने का दबाव बढ़ाना भी हो सकता है। न केवल कॉन्यैक बल्कि अन्य फ्रांसीसी और यूरोपीय उत्पादकों के लिए भी जोखिम को उजागर करके, क्षेत्र यह दिखाने की कोशिश कर सकता है कि उसकी कठिनाइयां अब स्थानीय नहीं रहीं।

यह तर्क इसलिए असरदार हो सकता है क्योंकि यूरोप का वाइन उद्योग पहले से ही कमजोर खपत, बदलती शराब-पीने की आदतों, जलवायु दबाव और बढ़ते वित्तीय तनाव से जूझ रहा है। ऐसे संदर्भ में, बल्क चैनल में अतिरिक्त 200 मिलियन लीटर सफेद वाइन का प्रवेश एक अलग-थलग घटना नहीं माना जाएगा। यह ऐसे बाजार में एक और झटका होगा, जहां कई उत्पादक पहले से ही टिकाऊ कीमतों पर स्टॉक बेचने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

आगे क्या होगा, यह फसल के आकार, कॉन्यैक हाउसों के अंतिम खरीद निर्णयों और इस पर निर्भर करेगा कि बड़ी मात्रा में वाइन खुले बाजार तक पहुंचने से पहले फ्रांसीसी या यूरोपीय अधिकारी हस्तक्षेप करते हैं या नहीं। फिलहाल, फ्रांस भर के व्यापारी और उत्पादक बारीकी से नजर रखे हुए हैं, क्योंकि कॉन्यैक से किसी भी रिलीज का मूल्य-निर्धारण चर्चाओं पर लगभग तुरंत असर पड़ने की संभावना है, खासकर कम कीमत वाले सफेद वाइन खंडों में, जहां प्रतिस्पर्धा सबसे तीव्र है।